

विस्त्र s. u. सर्ज mit वि.

विस्त्रधेन adj. etwa Milchtrank strömend RV. 7, 24, 2.

विस्त्ररति adj. Gaben spendend (Sā.) RV. 1, 122, 10.

विस्त्रवाच् adj. das Schweigen brechend Āc. 1, 12, 80. 4, 8, 23.

विस्त्रि (von सर्ज mit वि) f. 1) das Loslassen, Schuss Kāth. 28, 3. das Entlassen: मुक्ता° Vjūp. 192. — 2) Schöpfung RV. 10, 129, 6. 7. Çat. Br. 10, 5, 2, 3. 14, 4, 2, 12. HARIV. 114. MĀRK. P. 102, 19. पूर्व° HARIV. 25. 406. neben सृष्टि so v. a. Schöpfung im Einzelnen BRAHMAIV. P. bei BURNOUR, BHĀG. P. I, XLVI. — 3) Nachkommenschaft HARIV. 1997.

विस्त्रि (2. वि + सोम) adj. (f. स्त्री) 1) ohne Soma Çat. Br. 11, 7, 2, 8. — 2) ohne Mond: शर्वरी Spr. 3027.

विस्त्रि (2. वि + सो) n. Leiden: °भान् R. 7, 30, 11.

विस्त्रि (2. वि + सो) adj. ohne Wohlgeruch: कर्णिकार KATHĀS. 54, 55.

विस्त्रि und विस्त्रि s. u. विष्कम्भ, विस्त्रि unter विष्कम्भ.

विस्त्र m. ein best. Gewicht: ein Karsha oder 16 Masha Gold AK. 2, 9, 87. H. 884. PĀJĀCĪTTEND. 7, a, 8. am Ende eines adj. comp. f. स्त्री P. 4, 1, 22. — Vgl. कुह°, त्रि°, बकु°.

विस्त्र (von स्त्र mit वि) 1) m. am Ende eines adj. comp. f. स्त्री. a) Ausdehnung, Breite, Umfang: = विस्त्र MED. r. 216. उच्छ्रायायामविस्त्रा: Verz. d. Oxf. H. 48, a, 41. VARĀH. BH. S. 58, 21. लोक्त° BHĀG. P. 1, 3, 3. आवासा बकुविस्त्रा: R. 1, 12, 12. आकृतिविस्त्रिर्मेघैः MĀRK. 76, 20. खड्गः सुविस्त्रा: MBH. 12, 6187. eines Geschlechts 1, 99. 2, 570. बकु° adj. weit verbreitet: वैद्यर्ष्य 3, 13235. नास्त्यतो विस्त्रस्य मे (d. i. कृत्स्नस्य) BHĀG. 10, 19. न्याय° so v. a. der umfangreiche Njāja Kām. NITIS. 2, 13. पुराण° HARIV. 6786. ग्रन्थविस्त्रसंज्ञेयमात्रम् (so ist nach HALL zu lesen) ein blosser Auszug eines umfangreichen Werkes KATHĀS. 1, 10. शास्त्रिर्माविस्त्रैः Spr. (II) 1721. शब्दब्रह्मणि — उहविस्त्रे BHĀG. P. 4, 29, 45. बकुविस्त्रैः करु sich stark ausbreiten Spr. (II) 888. सुविस्त्रं या von einer Schatzkammer 703. मनसः das Weiterwerden (uneig.) des Herzens DAÇAR. 4, 41; vgl. u. विस्त्रा 1) am Ende und विस्त्रा 2). — b) Menge, Masse; = समूह ÇANDAR. im ÇKDR. एककालं चरेद्भैतं न प्रसज्जेत विस्त्रे M. 6, 55. यज्ञसंभार° R. GORR. 1, 11, 17. 2, 81, 32. देवायतनविस्त्रैः 7, 101, 15. भूषण° MĀRK. 182, 10. विभव° 23, 17. ग्रन्थ° VARĀH. BH. S. 1, 2, 5. MAITRĀJUP. 6, 34 (pl.). गुण° Spr. 2148. वस्तु° DAÇAR. 1, 51. 3, 25. SĀH. D. 314. eine Menge von Menschen, eine grosse Gesellschaft M. 3, 125. fg. BHĀG. P. 7, 15, 3. 4. उभे पुरवरे रम्ये विस्त्रैरुपशोभिते mit einer Menge von Dingen R. 7, 101, 14. चत्वारः सखिला वेदाः सरस्यः सविस्त्राः mit den vielen dazu gehörigen Schriften HARIV. 9491. ब्रह्माधीत्य सविस्त्रम् BHĀG. P. 3, 3, 2. बकु° adj. mannichfach, verschiedenartig: पेयैः MBH. 2, 99. पुष्यैः HARIV. 10981. उपायैः 7204. — c) hoher Grad, Intensität: विभूतेः BHĀG. 10, 40. दीप्तिः कान्तिस्तु विस्त्रा: DAÇAR. 2, 33. सुविस्त्रम् überaus heftig: विललाप MBH. 3, 17291. HARIV. 4839. आर्येण हि परिक्रुष्टे लक्ष्मणेति सु° R. 3, 66, 7. बकुविस्त्रम् dass.: रुहः MBH. 12 5745. — d) Detail, das Ausführliche, die einzelnen und genaueren Umstände einer Sache; Specification, ausführliche —, umständliche Darstellung: Weitsehweite P. 3, 3, 38. AK. 3, 3, 22. 3, 4, 5, 29. H. 1432. MED. HALĀS. 4, 81. विस्त्रैश्च समासेश्च धार्यते यद्विज्ञातिभिः (ज्ञानम्) MBH. 1, 27. तस्य शब्दस्य ब्रह्मणि विस्त्रम् 12, 6888. तस्य विस्त्रमा-

व्यास्ये मनोर्वैवस्वतस्य ह HARIV. 280. 288. 2451. श्रुतास्ते विस्त्राः सर्वे 11046. श्रुतविस्त्र adj. der die Details gehört hat 4274. कुब्जायाः श्रुतविस्त्रो 4497. श्रुत° R. GORR. 2, 62, 3. लोकादन्विष्य विस्त्रम् R. 1, 3, 1. तस्य देशस्य विस्त्रं व्याकुर्मुपचक्रमे 33, 25 (34, 23 GORR.). 37, 28 (38, 31 GORR.). श्रूयतां विस्त्रो राम सगरस्य 40, 3 (41, 3 GORR.). 2, 59, 2. R. GORR. 1, 27, 6. 45, 56. 7, 35, 1. कार्य° 100, 8. सुçr. 1, 94, 11. 229, 5. 2, 531, 14. VARĀH. BH. S. 43, 21. पद्यते भुगुविस्त्रे im ausführlichen Werke KĀLIKOP. in Ind. St. 9, 15. समर्थनप्रपञ्चोक्तिहृत्कार्यस्य विस्त्रः PRATĀPAR. 69, a, 6. अलमुक्तात्र विस्त्रम् KATHĀS. 22, 118. MĀRK. P. 53, 8. SĀH. D. 407. Verz. d. Oxf. H. 50, a, 13. °शङ्कया SĀH. D. 124. °भीरु SARVADARÇANAS. 61, 7. किं विस्त्रेण Spr. 3096. कृतं विस्त्रेण SARVADARÇANAS. 103, 16. अलमतिविस्त्रेण VIKR. 3, 6. VARĀH. BH. S. 1, 8. PRAT. 2, 2. विस्त्रेण ausführlich BHĀG. 10, 18. MBH. 1, 7619. 3, 2475. 11941. 16663. 16899. 5, 6012. 6043. R. 1, 8, 29. VARĀH. BH. S. 47, 1. 28. MĀRK. P. 72, 17. PĀNĀT. 41, 21. विस्त्रात् dass. VARĀH. BH. S. 60, 22. BHĀG. P. 8, 1, 1. MĀRK. P. 16, 12. 69, 1. PĀNĀT. 1, 3, 1. सुविस्त्रात् 4, 2, 6. बकु° adj. sehr ausführlich: कथा R. GORR. 1, 38, 2. वाक्यमुतविस्त्रम् R. SCHL. 1, 21, 1. व्याख्या स्वल्पातिविस्त्राम् Verz. d. Oxf. H. 63, a, No. 111. अश्विर्नेर्देवोश्च सृष्टिहृत्ता सुविस्त्रा mit allen Details 83, a, 10. सविस्त्रम् adv. ganz genau, ausführlich KATHĀS. 49, 177. PĀNĀT. 114, 20. सुविस्त्रम् PĀNĀT. 2, 7, 50. HIT. 73, 15. बकुविस्त्रसंपृक्तमाश्वासयत रालमान् so v. a. nach allen Richtungen hin, in allen Stücken R. 3, 31, 35. — e) = प्राण्य Vertraulichkeit u. s. w. MED. — f) = पीठ Sitz (vgl. विष्ट्र) ÇANDAR. im ÇKDR. — 2) adj. (f. स्त्री) ausgedehnt, umfangreich: कथा SĀH. D. 305; vgl. विस्त्रता. — Vgl. अ°, न्यायमाला°, पुरार्ध°, मध्याह्नविस्त्रलिपि, विष्ट्र und विस्त्रा.

विस्त्रक (von विस्त्र), davon विस्त्रकेण instr. recht ausführlich PAT. bei GOLD. MĀN. 91, b.

विस्त्रणी (von स्त्र mit वि) f. Bez. einer best. Göttin: देवी विस्त्रणी प्रिया मे) sagt ein Brahmane MĀRK. P. 61, 65.

विस्त्रतम् (von विस्त्र) adv. 1) der Breite nach: आयामतो वि° BHĀG. P. 3, 8, 25. — 2) mit allen Details, ausführlich Suçr. 2, 302, 9. VARĀH. BH. S. 1, 10. BHĀG. P. 3, 1, 7. Verz. d. Oxf. H. 74, a, 11. PĀNĀT. 181, 2.

विस्त्रता (wie eben) f. Ausbreitung: स्वेदेदमो विस्त्रतामुपैति R. 6, 7. विस्त्रशम् adv. = विस्त्रतम् 2) M. 9, 250. BHĀG. 11, 2, 16, 6. MBH. 1, 2043. 8, 771. VARĀH. BH. S. 49, 1. BHĀG. P. 3, 29, 2. MĀRK. P. 1, 17, 57, 3. 75, 1. Verz. d. Oxf. H. 38, b, No. 93. 74, a, 5.

विस्त्रा (von स्त्र mit वि) m. am Ende eines adj. comp. f. स्त्री. 1) Ausdehnung, Breite, Umfang P. 3, 3, 33. AK. 3, 3, 22. 3, 4, 14, 69. 18, 116. 22 (30), 15. TRĀK. 3, 3, 369. H. 1432. an. 3, 602. MED. r. 219. HALĀS. 4, 81. 5, 62, 99. COLBR. Alg. 97. 315. MBH. 1, 337. 2, 279. 1982. HARIV. 13793. R. 1, 40, 18 (41, 20 GORR.). R. GORR. 2, 108, 18. 4, 40, 59. 41, 51. 5, 6, 16. 18. 36, 17. fg. भग° Suçr. 1, 123, 21. VARĀH. BH. S. 49, 3, 6. 53, 5. 11. 22. 56, 11. fg. 58, 6. 26. MBH. 18. BHĀG. P. 5, 16, 12. 20, 2. 42. MĀRK. P. 54, 4. 8. नातिविस्त्रासेक Kām. NITIS. 16, 2. अतिविस्त्राविस्त्रो PĀNĀT. 245, 25. लताविस्त्रासंकुल sich weit verbreitende Schlingpflanzen Verz. d. Oxf. H. 17, a, No. 63, Cl. 4. कातल° das umfangreiche Kātantra COLBR. Misc. Ess. II, 43. आपुरद्वीपा प्रकामविस्त्राफलं करिष्यः BHĀG. 2, 11. संकृत-